हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2023

अभ्यास-पत्रिका

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित पाठ्यक्रम

हिंदी की मानक वर्तनी, जनसंचार, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, पत्रकारिता एक परिचय, संचार, संचार के साधन, मुद्रण एवं यांत्रिकी माध्यम, विज्ञापन, पत्रकारिता, संपादकीय, समाचार, संपादक, संवाददाता, रस, छंद, अलंकार, व्यावहारिकता के आधार पर जीवन मूल्यों से जुड़ी बातें, भाषा शिष्टता, अव्यय, शुद्ध शब्द, शुद्ध वाक्य, संचार के दृश्य एवं श्रव्य साधन, महासागरों के हिंदी नाम, अपठित गद्यांश एवं अपठित काव्यांश, पूर्वज्ञान पर आधारित व्याकरण संबंधी बोध, धनुष के सात रंगों के हिंदी नाम, रिपोर्ट लेखन और उनका क्रम, आवेदन-पत्र का प्रारुप।

कृपया, ध्यान दें: इस प्रश्न-पत्रिका में दी गई सहायक सामग्री संकेत मात्र एवं अभ्यास के लिए है। अत: प्रतियोगी को रटवाने की अपेक्षा समझाने का प्रयास करें।

1. विज्ञापन का अर्थ

'विज्ञापन' एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा हम किसी सामग्री या व्यक्ति विशेष के प्रति जन सामान्य को आकर्षित करने का प्रयास करते हैं। अंग्रेजी में विज्ञापन के लिए 'एडवर्टाइज' शब्द प्रयोग किया जाता है। एडवरटाइजिंग लैटिन भाषा के 'एडवर्ड' से बना है, जिसका अर्थ मस्तिष्क का केंद्रीय भूत होना है। दूसरे शब्दों में, मस्तिष्क को प्रभावित करना या किसी विशेष वस्तु या व्यक्ति विशेष के प्रति जन सामान्य के मस्तिष्क को आकर्षित करने का प्रयास करना ही विज्ञापन है। विज्ञापन शब्द 'वि' और 'ज्ञापन' इन दो शब्दों से मिलकर बना है वि से तात्पर्य विशेष से तथा ज्ञापन से तात्पर्य ज्ञान कराना अथवा सूचना देना है। इस प्रकार 'विज्ञापन' शब्द का मूल अर्थ है- किसी तथ्य या बात की विशेष जानकारी अथवा सूचना देना।

श्रव्य - रेडियो, टेप, रिकॉर्डर, तथा अध्यापन यंत्र

दृश्य - प्रोजेक्टर, एपिडायस्कोप तथा फिल्म स्ट्रिप्स

दृश्य श्रव्य - चलचित्र दूरदर्शन और वीडियो टेप रिकॉर्डर व कैसेट

दृश्य माध्यम (देखकर)–दृश्य माध्यमों में पोस्टर (इश्तहार) महत्त्वपूर्ण माध्यम है, जिसे देखकर सूचना प्राप्त होती है।

श्रव्य माध्यम (सुनकर)–श्रव्य माध्यमों में रेडियो महत्त्वपूर्ण माध्यम है। परिमल पार्क ने कहा है कि वीडियो निरक्षरों के लिए भी एक वरदान है जिसके द्वारा व्यवस्थित सुनकर अधिक-से-अधिक सूचना, विज्ञान और मनोरंजन हासिल कर लेते हैं। रेडियो और ट्रांजिस्टर की कीमत भी बहुत अधिक नहीं होती। इसी कारण वह सामान्य जनता के लिए भी कमोबेश सुलभ है। यही कारण है कि व्यापक प्रसार के बावजूद तीसरी दुनिया के देशों में रेडियो का महत्त्व आज भी कायम है।

दृश्य-श्रव्य माध्यम (देखकर एवं सुनकर)–दृश्य श्रव्य माध्यम श्रेणी में दूरदर्शन व वीडियो आते हैं। इसमें तरंगों के माध्यम से एक साथ दृश्य और आवाज़ को दूसरे स्थानों पर भेजा जाता है। दूरदर्शन का आविष्कार जनसंचार के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्रांति है। इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली पर आधारित टेलीविजन का विकास 1930 में हुआ। 2 नवंबर 1936 को लंदन में बीबीसी द्वारा नियमित इस सेवा का प्रारंभ हुआ भारत में दूरदर्शन का आगमन सन 1949 में हुआ।

शिक्षा सूचना तथा मनोरंजन जैसे उद्देश्यों को ध्यान में रखकर इसका कार्य शुरू हुआ। धीरे-धीरे इस में विकास होता गया और सेटेलाइट इंस्ट्रक्शन टेलीविजन एक्सपेरिमेंट से अंतरिक्ष के साथ जुड़ गया और आज हर घर में हर व्यक्ति उसकी भाषा बोल रहा है।

2. संचार एवं संचार के माध्यम

'संचार' शब्द की उत्पत्ति 'चर' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है-चलना या एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचना। संचार से हमारा तात्पर्य दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच सूचनाओं विचारों और भावनाओं का आदान-प्रदान है। मशहूर संचार शास्त्री विलबर श्रैम के अनुसार ''संचार अनुभवों की साझेदारी है'' इस प्रकार सूचनाओं विचारों और भावनाओं को लिखित मौखिक या दृश्य श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना ही संचार है और इस प्रक्रिया को अंजाम देने में मदद करने वाले तरीके संचार माध्यम कहलाते हैं।

सूचनाओं विचारों और भावनाओं का लिखित मौखिक या दृश्य श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक आदान-प्रदान करना या एक जगह से दूसरी जगह पहुँचना संचार है। इस प्रक्रिया को संपन्न करने में सहयोगी तरीके तथा उपकरण संचार के माध्यम कहलाते हैं।

संचार मानव की प्रगति के लिए अति महत्त्वपूर्ण है । यह विश्व के एक देश में बैठे लोगों को दूसरे देशों से जोड़ता है। आज मानव सभ्यता प्रगति की ओर अग्रसर है । इसका प्रमुख श्रेय संचार के आधुनिक साधनों को जाता है ।

जैसे:- अखबार, रेडियो, टेलीविजन, फोन, इंटरनेट आदि।

जनसंचार–प्रत्यक्ष संवाद के बजाय किसी तकनीकी यांत्रिकी माध्यम के द्वारा समाज के एक विशाल वर्ग से संवाद कायम करना जनसंचार कहलाता है।

जनसंचार के माध्यम–अखबार, रेडियो, टी.वी., इंटरनेट सिनेमा आदि।

पत्रकारिता–पत्रकारिता ऐसी सूचनाओं का संकलन है जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रुचि हो तथा जो अधिक-से-अधिक लोगों को प्रभावित करे।

समाचार–समाचार हर वह घटना है, जो पर्याप्त रूप से जनता का ध्यान आकर्षित करे और जनता से जुड़ी हो।

समाचार के छह ककार

किसी भी समाचार में घटना से जुड़े छह प्रश्न छह ककार कहलाते हैं।

कहाँ, कब, क्या, क्यों, कैसे, कौन

इसे 5W,1H भी कहा जाता है।

3. संपादन

संपादन किसी भी ऐसी ताजा घटना, विचार या समस्या की ऐसी रिपोर्ट जिसमें अधिक से-अधिक लोगों की रुचि हो और जिसका अधिक-से-अधिक लोगों पर प्रभाव पड़ता हो। संपादन प्रकाशन के लिए प्राप्त समाचार सामग्री से उसकी अशुद्धियों को दूर करके पढ़ने तथा प्रकाशन योग्य बनाता है।

संपादकीय

संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर लिखे गए विचारात्मक लेख को जिसे संबंधित समाचार पत्र की राय भी कहा जाता है संपादकीय कहते हैं। संपादकीय किसी एक व्यक्ति का विचार न होकर संबंध पत्र समूह की राय होता है। इसलिए संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम नहीं लिखा जाता है।

4. हिंदी की मानक वर्तनी

हिंदी भाषा में एकरूपता बनाए रखने के लिए उसका मानक रूप बहुत आवश्यक है। केंद्रीय हिंदी निदेशालय ने भी अपनी मानक वर्तनी प्रस्तुत की, जिससे हिंदी भाषा में एकरूपता लाने में बहुत बड़ी सफलता मिली।

मानक वर्तनी संबंधी कुछ बिंदु-

कारक चिह्नों को संज्ञा शब्दों से अलग लिखा जाए।

जैसे मनीष ने पीयूष को पढ़ने के लिए पुस्तक दी।

सर्वनाम शब्दों को कारक चिह्नों के साथ लिखा जाए।

जैसे- उसने, उसके आदि।

ट, ठ, ड, ढ आदि में हलंत लगाकर संयुक्त व्यंजन बनाए।

मानक वर्तनी के नए रुप– हिंदी, लिए, दुख, कुत्ता, विद्यालय, उत्तर, शुद्ध, उद्देश्य, लंबा, विद्युत, चंचल आदि।

5. हिंदी के छंद

जिसे गाया जा सके, जिस पर नाचा जा सके या बजाया जा सके, वह छंद है। जैसे:-दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया, कविता, हरिगीतिका आदि।

6. हिंदी में रस

रस के संदर्भ में कहा गया है कि जो चखा जाए और जिसका स्वाद लिया जाए वही रस है। भरतमुनि के अनुसार विभाव अनुभाव व्यभिचारी के संयोग से रस का निर्माण होता है। जब किसी कविता में हम सुख, दुख, हास्य, प्रेम, क्रोध आदि के भावों का अनुभव करते हैं तो उस कविता में वैसा ही रस उपस्थित होता है।

साहित्य में रस के प्रमुख भेद

रस	स्थायी भाव (भाव संकेत)
श्रृंगार रस	रति
करुण रस	शोक
वीर रस	उत्साह
रौद्र	क्रोध
वीभत्स रस	ग्लानि
भयानक रस	भय
वात्सल्य रस	वत्सलता
शांत रस	निर्वेद
अद्‌भुत	आश्चर्य
हास्य	हास

7. हिंदी के अव्यय

अव्यय का अर्थ है- अविकारी। अर्थात जिसमें विकार उत्पन्न न हो। अव्यय शब्द भी वाक्य में अपना बिना रूप बदले ज्यों-के-त्यों प्रयोग किए जाते हैं।

क्रिया विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक एवं विस्मयादिबोधक 'अव्यय' की श्रेणी में आते हैं।

8. मुद्रण (प्रिंट) और यांत्रिकी माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक)

मुद्रण- मुद्रण का अर्थ है- प्रिंट (छापना)।

यांत्रिकी- यांत्रिकी का अर्थ है- इलेक्ट्रॉनिक।

पत्रकारिता के क्षेत्र में तरह-तरह के माध्यम का प्रयोग किया जाता है। मुद्रण माध्यम के अंतर्गत समाचार पत्र, पत्रिकाएं, पुस्तकें आदि हैं, जबकि यांत्रिकी माध्यम के अंतर्गत रेडियो, टेलीविजन, कंप्यूटर, वायरलैस, मोबाइल आदि आते हैं। इन्हें 'संचार के साधन' भी कहा जाता है।

9. मुहावरे

क्रमांक	मुहावरा	अर्थ
1.	आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
2.	अपना उल्लू सीधा करना	अपना मतलब निकालना
3.	आकाश से बातें करना	बहुत ऊँचा होना
4.	आकाश के तारे तोड़ना	असंभव कार्य करना
5.	आग बबूला होना	बहुत क्रोधित
6.	अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि से काम न करना
7.	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
8.	अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	स्वयं अपनी हानि करना
9.	अपनी खिचड़ी अलग पकाना	सबसे अलग रहना
10.	उँगली पर नचाना	अपने वश में करके मन चाहा काम कराना
11.	अपना सा मुँह लेकर रह जाना	शर्मिंदा होना
12.	काम तमाम करना	मार डालना
13.	नौ-दो ग्यारह होना	भाग जाना
14.	उल्लू बनाना	दूसरों को मूर्ख बनाना

10. लोकोक्तियाँ

1. आम के आम गुठलियों के दाम - दुहरा लाभ कमाना।
2. उलटा चोर कोतवाल को डाँटे - दोषी का ही निर्दोष पर दोष मढ़ना।
3. एक और एक ग्यारह - एकता में बल है।
4. जिसकी लाठी उसकी भैंस - बलवान के ही सब अधिकार हैं।

5. घर का भेदी लंका ढाए – आपसी फूट विनाश का कारण बन जाती है।
6. एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है – एक बुरा व्यक्ति सारे समूह को बुरा बना देता है।
7. कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली – अधिक छोटे और अधिक बड़े में कोई तुलना नहीं होती।
8. चार दिन की चाँदनी, फिर अँधेरी रात – थोड़े ही दिन के मज़े, फिर वही परेशानियाँ।

11. अलंकार

अलंकार का अर्थ है–आभूषण। जिस प्रकार आभूषण शरीर की सुंदरता बढ़ाते हैं, उसी प्रकार अलंकार कविता की सुंदरता बढ़ाते हैं।

अत: काव्य की शोभा बढ़ाने वाले धर्मों को अलंकार कहा जाता है।

अलंकार के दो भेद हैं–

1. शब्दालंकार– जब कविता में शब्दों के कारण सुंदरता बढ़ती है, तो वह 'शब्दालंकार' कहलाता है।
2. अर्थालंकार– जब किसी काम में अर्थ के आधार पर कविता की सुंदरता बढ़ती है तो वहां 'अर्थालंकार' होता है।

1. शब्दालंकार के भेद एवं उदाहरण

अनुप्रास अलंकार – 'चारु चंद्र की चंचल किरणें' (च और ल की आवृत्ति)

यमक अलंकार – 'काली घटा का घमंड घटा' (शब्द की आवृत्ति अर्थ अलग–अलग)

उपर्युक्त पंक्ति में घटा शब्द दो बार आया है, पहली घटा का अर्थ है–बादल और दूसरी घटा का अर्थ है–कम होना।

श्लेष अलंकार –श्लेष अलंकार का अर्थ है–चिपका हुआ। जब किसी पंक्ति में कोई शब्द एक से अधिक अर्थ देता है, वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

मधुवन की छाती को देखो।
सूखी कितनी इसकी कलियाँ।

(कलियाँ– फूल का अविकसित रूप, यौवन से पूर्व की अवस्था)

2. अर्थालंकार के भेद एवं उनके उदाहरण

उपमा अलंकार – (उपमेय को उपमान के समान या तुलना)

'मखमल के झूले पड़े हाथी-सा टीला'

यहाँ पर हाथी-सा में 'उपमा अलंकार' है।

रूपक अलंकार- (उपमेय को उपमान का पूर्ण रूप देना) 'आए महंत वसंत'

वसंत को महंत का पूर्ण दर्जा दे दिया गया है।

उत्प्रेक्षा अलंकार – (उपमेय में उपमान की संभावना)

'सोहत ओढ़े पीत पटु, स्याम सलोने गात।
मनो नीलमणि सैल पर, आतप पर्‌यौ प्रभात।।'

यहाँ पर श्री कृष्ण के शरीर एवं पीले वस्त्रों में नीलमणि पर्वत एवं सूरज की सुबह की किरणों की संभावना को प्रकट किया गया है।

मानवीकरण – (अमानव वस्तु में मानवीय गुणों का देखना)

'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।'

'कमलों ने अंगड़ाई लेकर सुंदर आँखें खोलीं।'

उपर्युक्त पंक्तियों में मेघों का बन-ठन के सँवरना तथा कमलों का अंगड़ाई लेकर सुंदर आँखें खोलना 'मानवीकरण' है।

अतिशयोक्ति – (अतिशयोक्ति का अर्थ है-बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन करना)

हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग।
लंका सगरी जल गई, गए निशाचर भाग।।

स्पष्टीकरण-पूँछ में आग लगने से पहले लंका का जलना 'अतिशयोक्ति' है।

12. महासागरों के हिंदी में नाम

1. प्रशांत महासागर
2. अटलांटिक महासागर
3. हिंद महासागर
4. दक्षिणी महासागर
5. आर्कटिक महासागर

13. अशुद्ध वाक्यों के शुद्ध वाक्य

अशुद्ध		शुद्ध
पेड़ों पर तोता बैठा है।	–	पेड़ पर तोता बैठा है।
वह धीमी स्वर में बोलता है।	–	वह धीमे स्वर में बोलता है।
मैं यह काम नहीं किया हूँ।	–	मैंने यह काम नहीं किया है।
मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊँगा।	–	मैं रविवार को तुम्हारे घर आऊँगा।
मैंने तेरे को बहुत समझाया था।	–	मैंने तुझे बहुत समझाया था।
किसी और लड़के को बुलाओ।	–	किसी दूसरे लड़के को बुलाओ।
तुम क्या काम करता है?	–	तुम क्या काम करते हो?
सारी रात भर मैं जागता रहा।	–	मैं सारी रात जागता रहा।

14. शुद्ध शब्द

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
नोकरी	नौकरी	पितांबर	पीतांबर
गृहणी	गृहिणी	अंतरीक्ष	अंतरिक्ष
रुखा	रूखा	इमानदारी	ईमानदारी
चिन्ह	चिह्न	उनंचास	उनचास
अवश्यकता	आवश्यकता	कृशी	कृषि
आर्शिवाद	आशीर्वाद	स्थाई	स्थायी
चारागाह	चरागाह	साधू	साधु

15. संवाददाता

विभिन्न प्रकार के समाचार खोजकर अखबार को भेजनेवाला व्यक्ति संवाददाता कहलाता है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में संवाददाता का अर्थ है-संवाद देने वाला। अत: स्थानीय किसी घटना पर संवाद देने वाला 'संवाददाता' कहलाता है। वह घटना की जानकारी लेते हुए कम शब्दों में संवाद अपने कार्यालय को भेजता है।

16. जब किसी सरकारी या गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा विज्ञापन देकर नौकरी हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं, तो आवेदन पत्र पर अपनी आवश्यक जानकारी दी जाती है।

आवेदन-पत्र का प्रारूप

- आवेदन करने हेतु तरह-तरह के प्रारूप प्रचलन में हैं । अलग-अलग होते हुए भी कुछ बातें सभी में समान रूप से होनी चाहिए।
- दिए गए विज्ञापन की जानकारी देते हुए संबोधन

  .....

  .....
- आवेदक का नाम .....
- पिता का नाम .....
- जन्मतिथि .....
- पत्र-व्यवहार का पूरा पता .....
- राष्ट्रीयता .....
- शैक्षिक योग्यता .....
- कार्य का अनुभव .....
- घोषणा .....
- आवेदक का नाम .....
- हस्ताक्षर .....
- दिनांक एवं स्थान .....

17. रिपोर्ट लेखन

रिपोर्ट लेखन के अंतर्गत कोई भी रिपोर्टर स्थानीय घटना की जानकारी एकत्र कर के रिपोर्ट बनाता है और उसे छह ककार के आधार पर तैयार करके भेजता है।

18. इंद्रधनुष के रंगों के हिंदी नाम

लाल, नारंगी, पीला, हरा, आसमानी, नीला और बैंगनी।

हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2023

कक्षा-बारहवीं

अधिकतम अंक-200 **समयावधि-एक घंटा**

प्रतियोगी का नाम: .....

पिता/संरक्षक का नाम: .....

कक्ष निरीक्षक के हस्ताक्षर: .....

समान्य निर्देश-

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल पचास प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं।
3. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय हैं।
4. सही उत्तर के सामने का गोला भरने पर चार अंक मिलेंगे तथा एक से अधिक गोला भरने या गलत उत्तर देने पर एक अंक काटा जाएगा।
5. सही उत्तर का गोला अधूरा या गलत ढंग से भरने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा।
6. उत्तर का गोला भरने के लिए पेंसिल/नीले या काले पैन का प्रयोग करें।

नमूना प्रश्न-पत्र

अपठित गद्यांश

'संत कबीर' निर्गुण शाखा की 'संत-काव्यधारा' के प्रतिनिधि कवि हैं। संत काव्यधारा ज्ञान पर आधारित है, इसलिए उसे 'ज्ञानमार्गी शाखा' भी कहा जाता है। कबीर के 'ईश्वर' का न तो कोई रूप है, न वे कुरूप हैं। वे तो फूल की खुशबू से भी पतले हैं और हमारे शरीर के अंदर 'आत्मा' के रूप में विद्यमान हैं। आत्मा, परमात्मा का एक अंश ही तो है। हमारा शरीर एक घड़े के समान है। शरीर के बाहर सब जगह परमात्मा है। जिस प्रकार जल में तैरता घड़ा टूटने पर मिट्टी में मिल जाता है तथा घड़े के अंदर का जल बाहर के जल में

मिल जाता है, ठीक वैसे ही शरीर नष्ट होने पर मिट्टी बन जाता है एवं आत्मा, परमात्मा के रूप में विलीन हो जाती है।

1. कबीर के अनुसार 'ईश्वर' है-
   क) निराकार ख) साकार ग) दोनों रूपों में घ) इनमें से कोई नहीं

2. कबीर किस काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि थे?
   क) सगुण काव्यधारा ख) संत काव्यधारा
   ग) सूफ़ी काव्यधारा घ) उपर्युक्त तीनों समान हैं

3. कबीर के अनुसार 'ईश्वर' कहाँ है?
   क) केवल शरीर के अंदर ख) केवल शरीर के बाहर
   ग) शरीर के अंदर आत्मा रूप में एवं शरीर में बाहर सब जगह
   घ) केवल देव स्थानों पर

4. 'शरीर' की तुलना किससे की है?
   क) आत्मा से ख) परमात्मा से ग) घड़े से घ) पानी से

5. 'घड़े के अंदर का पानी' तथा 'बाहर का पानी' का क्रमशः क्या अर्थ है?
   क) आत्मा,परमात्मा ख) परमात्मा,आत्मा ग) आत्मा,जीवात्मा घ) जीवात्मा,आत्मा

हिंदी के शुद्ध शब्दों को छाँटिए।

6. उजज्वल उज्जवल उज्ज्वल इनमें से कोई नहीं
7. संन्यास संयास सन्न्यास सन्यास
8. आशिरवाद आर्शीवाद आशीर्वाद आर्शिवाद
9. निरमान निर्माण निर्माण निमार्ण
10. चिन्ह चिह्न चीन्ह चिंह

11. 'मानव' शब्द का 'पर्यायवाची' होगा-
    क) दानव ख) मनुष्य ग) दोनों घ) इनमें से कोई नहीं

12. 'गृह' शब्द में कौन-सा 'वर्ण' नहीं है?
    क) द् ख) ऋ ग) ह घ) ग

13. 'वह धीरे-धीरे घर जा रहा है।' वाक्य में कौन-सा 'अव्यय' है?
    क) क्रिया विशेषण ख) संबंधबोधक
    ग) समुच्चयबोधक घ) विस्मयादि बोधक

14. 'श्वेता खाना खाकर अभी आएगी।' वाक्य में 'पूर्वकालिक क्रिया' है-
    क) खाना ख) खाकर ग) अभी घ) आएगी

15. 'निपात' अव्यय का उदाहरण है-
क) ही ख) तो ग) केवल घ) उपर्युक्त सभी

16. 'शुद्ध' वाक्य का चयन कीजिए-
क) तितली के पंख सुंदर होते हैं। ख) बच्चों से गुस्सा न करो।
ग) हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति पहुँचे। घ) क और ख

17. 'अशुद्ध' वाक्य का चयन कीजिए-
क) लोग इधर-उधर घूमते हुए एक जंगल में पहुँच गए।
ख) राम, लक्ष्मण और सीता वन की ओर चले गए।
ग) मकान की दाहिनी ओर एक पार्क था।
घ) इनमें से कोई नहीं।

18. 'आवेदन-पत्र' का प्रयोग किस उद्देश्य से होता है?
क) हाल-चाल जानने के लिए ख) अतिथि को बुलाने के लिए
ग) रोज़गार पाने के लिए घ) उपर्युक्त सभी के लिए

19. 'संवाद' क्या है?
क) बातचीत ख) वाद-विवाद
ग) एक भाषण घ) इनमें से कोई नहीं

20. 'आवेदन-पत्र' में दी जाने वाली जानकारी का उचित क्रम क्या होना चाहिए?
क) अपना नाम, शैक्षिक योग्यता, जन्मतिथि एवं पता
ख) अपना नाम, जन्मतिथि, पता, योग्यता
ग) जन्मतिथि पता योग्यता अपना नाम
घ) उपर्युक्त तीनों

21. जनसंचार की भाषा में दर्शकों को घटना-स्थल पर खड़े दर्शकों से जोड़ना क्या कहलाता है?
क) इंट्रो ख) फ़ीचर ग) एंकरबाइट घ) बीट

22. किसी घटना पर छपे समाचार का 'पहला अनुच्छेद' क्या कहलाता है?
क) ब्रेकिंग न्यूज़ ख) एंकर बाइट ग) फ़ीचर घ) इंट्रो

23. 'छह ककार' क्या है?
क) घटना से जुड़े छह प्रश्नों की जानकारी ख) एक यंत्र
ग) दोनों घ) इनमें से कोई नहीं।

24. 'रेडियो' किस प्रकार का माध्यम है?
क) मुद्रण ख) यांत्रिकी ग) दोनों घ) कोई नहीं

25. किसी समाचार-पत्र का संपादन करने वाला क्या कहलाता है?
क) संवाददाता ख) पत्रकार ग) संपादक घ) तीनों

अपठित काव्यांश

नीचे दिए गए काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा,
मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा,
कफ़न बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर,
दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा।
कामयाब हो उनकी चालें, ढंग न होने देगें,
जंग न होने देंगे।

26. उपर्युक्त कविता का सबसे उपयुक्त 'शीर्षक' होगा–
   क) हथियारों के ढेर   ख) जंग न होने देंगे
   ग) कामयाबी   घ) अन्य कोई

27. 'अनुनासिक' की सहायता से बना 'शब्द' है–
   क) जंग   ख) मुँह   ग) भंग   घ) कोई नहीं

28. 'दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा।'
   पंक्ति में 'उनका' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?
   क) सौहार्द फैलाने वाले   ख) आतंक व हिंसा फैलाने वाले
   ग) शांति की स्थापना करने वाले   घ) पति के लिए

29. इन पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहता है?
   क) जंग न हो।
   ख) धोखेबाजों से सावधान रहें।
   ग) हिंसा फैलाने वालों की चालें सफल न हों।
   घ) उपर्युक्त सभी।

30. उपर्युक्त पंक्तियों में कवि ने किस 'लोकोक्ति' के भाव को अपने शब्दों में कहा है?
   क) मुँह में शांति, बगल में अशांति   ख) मुँह में राम, बगल में चाकू
   ग) मुँह में राम, बगल में छुरी   घ) मुँह में शांति हाथ में तलवार

31. 'दृश्य-श्रव्य साधन' का उदाहरण है–
   क) रेडियो   ख) समाचार-पत्र   ग) टी.वी.   घ) तीनों

32. 'समाचार' किस शैली में छपते हैं?
   क) उलटा पिरामिड   ख) सीधा पिरामिड
   ग) तिरछा पिरामिड   घ) तीनों

33. टी.वी. चैनल पर चलते समाचारों के दौरान अन्य समाचार बताना क्या कहलाता है?
क) एंकर बाइट ख) सरप्लस ग) ब्रेकिंगन्यूज़ घ) खबरों की खबर

34. किसी घटना का एक स्थान से चलकर जन-जन तक पहुँचने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?
क) समाचार ख) जनसंचार ग) अभिव्यक्ति घ) अनुभूति

35. 'संपादकीय' कौन तैयार करता है?
क) रिपोर्टर ख) संवाददाता ग) संपादक घ) प्रूफरीडर

36. 'श्रेष्ठ समाचार' का गुण है-
क) सत्यता ख) नवीनता ग) निष्पक्षता घ) उपर्युक्त सभी

37. साहित्य में मुहावरों का प्रयोग किस रूप में किया जाता है?
क) रूढ़ अर्थ में ख) वाक्यांश के रूप में
ग) दोनों रूप में घ) इनमें से कोई नहीं

38. 'यांत्रिकी माध्यम' का उदाहरण है–
क) समाचार-पत्र ख) इश्तहार ग) रेडियो घ) तीनों

39. 'लोकोक्ति' का उदाहरण है-
क) एक और एक ग्यारह होना ख) नौ-दो-ग्यारह होना
ग) पौ बारह होना घ) इनमें से कोई नहीं।

40. 'लोकोक्ति' होती है-
क) वाक्यांश ख) पूर्णवाक्य ग) दोनों घ) अन्य

41. 'टोपी उछालना' मुहावरे का सही वाक्य-प्रयोग है।
क) मुझे अपनी टोपी उछालकर खेलने में आनंद आता है।
ख) दूसरों की टोपी उछालने वाले कभी सम्मान नहीं पा सकते।
ग) टोपी उछालना एक खेल है।
घ) टोपी उछालने की चीज़ नहीं, पहनने की चीज़ है।

42. 'कम ज्ञान वाला व्यक्ति अधिक बोलता है।'यह बात किस पंक्ति में निहित है-
क) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ख) अधजल गगरी छलकत जाय
ग) पर पीड़ा सम नहि अधिमाई घ) अक्ल पर पत्थर पड़ना

43. 'खून का घूँट पीना' मुहावरे का अर्थ है-
क) माँस खाना ख) क्रोध सहना
ग) क्रोध में लड़ाई करना घ) परेशान करना

उचित शब्द भरकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (44-46)

44. ..... के आगे बीन बजाने से कोई लाभ नहीं ।
क) गधे ख) साँप ग) बैल घ) भैंस

45. 'न नौ मन तेल होगा, न.....नाचेगी।'
क) मीरा ख) राधा ग) प्रिया घ) अन्य

46. 'नौ नकद.....उधार।'
क) दस ख) ग्यारह ग) सौ घ) तेरह

47. 'मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोई।
जा तन की झांई परे, श्याम हरित दुति होई।'
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस 'छंद' में हैं?
क) चौपाई ख) दोहा ग) सोरठा घ) सवैया

48. 'श्याम हरित दुति होई' पंक्ति में कौन-सा 'अलंकार' है?
क) यमक ख) रूपक ग) उत्प्रेक्षा घ) श्लेष

49. निम्नलिखित पंक्तियों में 'वीर रस' का उदाहरण है-
क) तुम सबकी रक्षा करने माँ! मैं सेना में जाऊँगी।
ख) ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे-धीरे।
ग) हवा हूँ, हवा हूँ, वसंती हवा हूँ।
घ) प्रभु जी! तुम चंदन हम पानी।

वाक्य पूर्ति हेतु उचित शब्द छाँटिए।

50. 'भगवान उन्हीं की सहायता करते हैं, जो .....सहायता स्वयं करते हैं।'
क) दूसरों की ख) अपनों की
ग) अपने बच्चों की घ) अपनी

उत्तर-संकेत

1. क	11. ख	21. ग	31. ग	41. ख
2. ख	12. क	22. घ	32. क	42. ख
3. ग	13. क	23. क	33. ग	43. ख
4. ग	14. ख	24. ख	34. ख	44. घ
5. क	15. घ	25. ग	35. ग	45. ख
6. ग	16. क	26. ख	36. घ	46. घ
7. क	17. ग	27. ख	37. ख	47. ख
8. ग	18. ग	28. ख	38. ग	48. घ
9. ख	19. क	29. घ	39. क	49. क
10. ख	20. ख	30. ग	40. ख	50. घ

ध्यान दें–इस अभ्यास-पत्रिका में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर सूचित करने की कृपा करें।